पीसीबी ने पाकिस्तान टेस्ट टीम में दो नये खिलाड़ियों अब्दुल्ला शफीक और सऊद शकील को शामिल किया

लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आगामी टेस्ट श्रृंखलाओं के देखते हुए अपनी टीम में दो नए खिलाड़ियों सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक और मध्यक्रम के बल्लेबाज सऊद शकील को शामिल किया है। इन दोनो को वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी टेस्ट श्रृंखला और उसके बाद इंग्लैंड दौरे को देखते हुए शामिल किया गया है। इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान को तीन टेस्ट मैच खेलने हैं। शफीक को चोटिल अब्दुल्ला फजल के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है, जबकि शकील को विदेशी पिचों पर पाकिस्तान की बल्लेबाजी को मजबूती देने के लिए शामिल किया गय है।

पिछले कुछ समय मे युवा सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक ने घरेलू क्रिकेट में अच्छे शानदार प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। जिससे उन्हें टीम में जगह मिली है। फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में उनके पास अच्छा रिकार्ड है, जिसमें शतक और अर्धशतक शामिल हैं। वह अपनी तकनीक और धैर्य के लिए जाने जाते हैं। उन्हें उम्मीद है कि वह अब्दुल्ला फजल की अनुपस्थिति में शीर्ष क्रम को अच्छी शुरुआत देंगे। । शफीक की क्षमता पर चयनकर्ताओं का भरोसा यह दर्शाता है कि वे युवा प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परखने के लिए उत्सुक हैं।

वहीं, सऊद शकील को टीम में शामिल करना पाकिस्तान की बल्लेबाजी लाइन-अप को गहराई देने की रणनीति का हिस्सा है। शकील ने भी घरेलू सर्किट में लगातार काफी रन बनाए हैं और उन्हें मध्यक्रम में एक भरोसेमंद विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। विदेशी दौरों पर अक्सर कठिन परिस्थितियों और तेज गेंदबाजों के सामने बल्लेबाजी करना एक बड़ी चुनौती होती है, और ऐसे में एक नए, प्रतिभाशाली बल्लेबाज को मौका देना टीम के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। पीसीबी के अनुसार, शकील की बाएं हाथ की बल्लेबाजी टीम को विविधता प्रदान करेगी और उन्हें उम्मीद है कि वह दबाव में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

यह चयन ऐसे समय में हुआ है जब पाकिस्तान क्रिकेट टीम अपनी टेस्ट क्रिकेट में निरंतरता और गहराई की तलाश में है। वेस्टइंडीज का दौरा हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है, खासकर उनकी तेज और उछाल भरी पिचों पर, और उसके बाद इंग्लैंड जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उनकी धरती पर खेलना एक बड़ी परीक्षा होगी।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रमंडल खेल 2026: पाकिस्तान के मुक्केबाज को हराकर जदुमणि सिंह क्वार्टरफाइनल में

ग्लासगो। भारत के मुक्केबाज मंडेंगबाम जदुमणि सिंह ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पुरुषों के 55 किलोग्राम भार वर्ग के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है। प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उन्होंने पाकिस्तान के रहमान सुमामा को एकतरफा अंदाज में 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। जदुमणि ने मुकाबले के तीनों राउंड में आक्रामक और संतुलित खेल का प्रदर्शन किया। उनकी सटीक पंचिंग, बेहतरीन फुटवर्क और मजबूत रक्षात्मक रणनीति के सामने पाकिस्तानी मुक्केबाज प्रभाव नहीं छोड़ सके। पांचों निर्णायकों ने भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उन्हें विजेता घोषित किया। आधिकारिक स्कोरकार्ड के अनुसार, तीन निर्णायकों ने मुकाबला 30-27, जबकि दो अन्य निर्णायकों ने 29-28 के अंतर से जदुमणि सिंह के पक्ष में अंकित किया। इससे पूरे मुकाबले में भारतीय मुक्केबाज की स्पष्ट बढ़त और नियंत्रण का पता चलता है। इससे पहले, प्रथम दौर (राउंड आफ-32) में भी जदुमणि ने स्काटलैंड के कुलन को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी। ग्लासगो में यह उनकी लगातार दूसरी एकतरफा जीत है। अब जदुमणि सिंह 28 जुलाई को होने वाले क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जाम्बिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले प्री-क्वार्टरफाइनल विजेता से भिड़ेंगे।

अय्यर ने युवा खिलाड़ियों अशोक और वैभव को सौंपी ट्राफी, धोनी ने शुरु की थी परंपरा

हरारे। भारतीय टीम ने यहां तीसरे और अंतिम टी20 क्रिकेट मुकाबले में मेजबान जिम्बाब्वे को 35 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से जीत ली है। इस मैच के बाद भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने ट्राफी दो नये खिलाड़ियों तेज गेंदबाज अशोक शर्मा और 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को ट्राफी थमा दी। युवा खिलाड़ियों को ट्राफी सौंपने की ये परंपरा पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने शुरु की थी जो अय्यर ने भी बरकरार रखी है। धोनी कोई बड़ी सीरीज या टूर्नामेंट जीतने के बाद ट्राफी टीम के सबसे युवा या नए खिलाड़ियों को सौंप देते थे। उनका मानना था कि ऐसा करने से युवा खिलाड़ी उस पल को पूरी तरह जी पाते हैं, उन्हें अपनी अहमियत महसूस होती है और उनका मनोबल बढ़ता है। जिससे वह और बेहतर प्रदर्शन करने में सफल होते हैं। धोनी की इस बेहतरीन विरासत को उनके बाद कप्तान बने विराट कोहली, रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव ने भी बरकरार रखा जिसे अब अय्यर ने आगे बढ़ाया है। ये दिखाता है कि भारतीय क्रिकेट में ट्राफी सिर्फ कप्तान की नहीं, बल्कि पूरी टीम की सामूहिक उपलब्धि मानी जाती है। युवा खिलाड़ियों को इस तरह सम्मान देना टीम इंडिया की मजबूत संस्कृति, एकजुटता और ड्रेसिंग रूम के सकारात्मक माहौल का भी प्रतीक है। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 192 रन बनाये। इसके बाद 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम सात विकेट पर 157 रन ही बना पायी।

मैनचेस्टर सिटी में एलियट एंडरसन के खेल पर रहेंगी नजरें

लंदन । मैनचेस्टर सिटी के सबसे महंगे खिलाड़ी मिडफील्डर एलियट एंडरसन की अब लीग में कड़ी परीक्षा होगी। एलियट के प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। सिटी ने उसे रिकार्ड 116 मिलियन पाउंड में अपने साथ जोड़ा है। इससे 23 वर्षीय एंडरसन ब्रिटेन के सबसे महंगे फुटबालर हैं, जो उनकी प्रतिभा और बढ़ती मांग को दर्शाता है।यह घटनाक्रम इस बात की स्पष्ट पुष्टि करता है कि प्रीमियर लीग क्लब अपनी टीमों को मजबूत करने के लिए शीर्ष प्रतिभाओं पर कितनी बड़ी रकम खर्च करने को तैयार हैं, खासकर जब बात स्टार खिलाड़ियों की हो। यह भी बताया जा रहा है कि मैनचेस्टर सिटी ने शुरुआत में एंडरसन के लिए 80 मिलियन पाउंड का प्रस्ताव दिया था, जिसे नाटिंघम फारेस्ट ने अपनी मांग पर अड़े रहते हुए अस्वीकार कर दिया था। फारेस्ट प्रबंधन एंडरसन की असाधारण प्रतिभा और पिछले सत्र के प्रदर्शन को देखते हुए एक बड़ी कीमत पर अडिग था, जिसका परिणाम यह रिकार्ड-तोड़ सौदा है।एंडरसन का पिछला प्रीमियर लीग सत्र उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ रहा, जहां उन्होंने नाटिंघम फारेस्ट के लिए असाधारण प्रदर्शन करते हुए अपनी एक अलग पहचान बनाई।

हाकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 28 जुलाई से, कोयंबटूर करेगा मेजबानी

नई दिल्ली

तमिलनाडु के कोयंबटूर में 28 जुलाई से 16वीं हाकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 का आगाज होगा। 12 दिनों तक चलने वाली इस प्रतिष्ठित घरेलू प्रतियोगिता में देश की 30 शीर्ष जूनियर पुरुष हाकी टीमें राष्ट्रीय खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगी। प्रतियोगिता का समापन 8 अगस्त को होगा, जबकि डिवीजन ए का फाइनल राष्ट्रीय चैंपियन का फैसला करेगा।

इस बार टूर्नामेंट को डिवीजन ए, बी और सी में विभाजित किया गया है। डिवीजन ए की टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी, जबकि डिवीजन बी और सी की टीमें अगले स्तर पर पदोन्नति (प्रमोशन) हासिल करने के उद्देश्य से खेलेंगी। टूर्नामेंट में प्रमोशन और रेलीगेशन की व्यवस्था होने से हर मुकाबला बेहद अहम होगा।

डिवीजन ए में 12 टीमों को चार पूलों में बांटा गया है। पूल-ए में हाकी हरियाणा, हाकी मध्य प्रदेश और हाकी यूनिट आफ तमिलनाडु, पूल-बी में हाकी एसोसिएशन आफ ओडिशा, मणिपुर हाकी और दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव हाकी, पूल-सी में हाकी पंजाब, हाकी झारखंड और दिल्ली हाकी, जबकि पूल-डी में उत्तर प्रदेश हाकी, हाकी कर्नाटक और हाकी बंगाल शामिल हैं। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी।

क्वार्टर फाइनल 5 अगस्त, सेमीफाइनल 6 अगस्त तथा तीसरे स्थान का मुकाबला और फाइनल 8 अगस्त को खेला जाएगा। डिवीजन ए की अंतिम दो टीमें अगले सत्र में डिवीजन बी में चली जाएंगी।

डिवीजन बी में 10 टीमों को दो पूलों में रखा गया है। यहां की शीर्ष दो टीमें डिवीजन ए में पदोन्नत होंगी, जबकि अंतिम दो टीमों को डिवीजन सी में जाना पड़ेगा। वहीं, डिवीजन सी में आठ टीमें दो पूलों में प्रतिस्पर्धा करेंगी और यहां की शीर्ष दो टीमें अगले सत्र में डिवीजन बी में जगह बनाएंगी।

लीग चरण में जीत पर तीन अंक, ड्रा पर एक अंक और हार पर कोई अंक नहीं मिलेगा। डिवीजन ए के नाकआउट मुकाबलों में बराबरी की स्थिति होने पर एफआईएच नियमों के अनुसार शूटआउट से विजेता का फैसला किया जाएगा।

हाकी इंडिया के अध्यक्ष डा. दिलीप टिर्की ने कहा कि जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप भारतीय हाकी की प्रतिभाओं को निखारने का महत्वपूर्ण मंच है और इसी प्रतियोगिता से कई खिलाड़ी आगे चलकर भारतीय टीम तक पहुंचे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार भी कई नई प्रतिभाएं सामने आएंगी।

हाकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि यह प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों के विकास की दिशा में अहम भूमिका निभाती है। प्रमोशन और रेलीगेशन की व्यवस्था से टीमों के बीच प्रतिस्पर्धा और भी रोमांचक हो जाती है।

पहले दिन का कार्यक्रम

प्रतियोगिता के पहले दिन डिवीजन सी और बी के मुकाबले खेले जाएंगे। सुबह 6:00 बजे असम हाकी का सामना हाकी मिजोरम से होगा। इसके बाद गोअन्स हाकी बनाम हाकी राजस्थान, तेलंगाना हाकी बनाम त्रिपुरा ओलंपिक एसोसिएशन, ले पुडुचेरी हाकी बनाम हाकी गुजरात, हाकी महाराष्ट्र बनाम हाकी हिमाचल, हाकी उत्तराखंड बनाम केरल हाकी, हाकी आंध्र प्रदेश बनाम बिहार (बीएसएसए) और हाकी चंडीगढ़ बनाम छत्तीसगढ़ हाकी के मुकाबले खेले जाएंगे। डिवीजन ए के मैच 1 अगस्त से शुरू होंगे।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में जयवर्धने पोंटिंग सहित इन खिलाड़ियों के नाम है सबसे अधिक कैच

मुम्बई

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी के साथ ही फिल्डिंग का भी खासा महत्व है। अच्छी फिल्डिंग के जरिये मैचों का रुख बदलते हुए देखा गया है। इस कारण एक कहावत है कैच पकड़ों और मैच जीतो। इसी कारण टीमें शुरुआत से ही फिल्डिंग पर जोर देती रही हैं। विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक फील्डर हुए हैं। जिन्होंने टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 तीनों प्रारूपों में अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान किया है। सबसे अच्छे फील्डरों में श्रीलंका के माहेला जयवर्धने सहित ये नाम शामिल हैं।

महेला जयवर्धने : श्रीलंका के पूर्व कप्तान माहेला जयवर्धने सबसे अच्छे फील्डरों मे शीर्ष पर हैं। साल 1997 से 2015 तक चले अपने 18 साल के शानदार करियर में जयवर्धने ने 652 मैचों की 768 पारियों में कुल 440 कैच लिए हैं। स्लिप में उनकी उंगलियों से कोई गेंद बच नहीं पाती थी। एक मुकाबले में चार कैच उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है, जबकि प्रति पारी कैच का उनका औसत 0.572 था।

रिकी पोंटिंग : वहीं दूसरे नंबर पर - आस्ट्रेलिया के महानतम कप्तानों और बल्लेबाजों में शुमार रिकी पोंटिंग हैं। 1995 से 2012 के दौरान पोंटिंग ने आस्ट्रेलियाई टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए 560 मैचों की 717 पारियों में 364 कैच अपने नाम किए। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के अलावा, पोंटिंग पाइंट और स्लिप में फुर्ती के लिए जाने जाते थे। उनका एक पारी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीन कैच का रहा है, जबकि उनका प्रति पारी कैच औसत 0.507 दर्ज किया गया है।

रास टेलर : न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाजों में से एक रास टेलर इस मामले में तीसरे स्थान पर काबिज हैं। 2006 से शुरू हुए अपने लंबे अंतर्राष्ट्रीय करियर में टेलर ने 454 मैचों की 550 पारियों में 354 कैच पकड़े हैं। स्लिप में रास टेलर की निरंतरता कमाल की थी। उन्होंने एक मैच में अधिकतम चार कैच लपके और उनका कैच प्रति पारी औसत 0.643 रहा, जो कि शीर्ष तीन खिलाड़ियों में सबसे शानदार माना जाता है।

स्टीव स्मिथ : चौथे स्थान पर आस्ट्रेलिया के आधुनिक दौर के सबसे एकाग्र और तकनीकी रूप से निपुण खिलाड़ी स्टीव स्मिथ खड़े हैं। 2010 से अब तक अपने अंतर्राष्ट्रीय सफर में स्मिथ ने 360 मुकाबले खेले हैं, जिनकी 472 पारियों में उन्होंने 346 कैच अपने हाथों में सुरक्षित किए हैं।

31 जुलाई से शुरु होगा डीपीएल सत्र, ऋषभ , ईशांत भी खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) क्रिकेट का तीसरा सत्र 31 जुलाई से शुरु होगा। इसमें ऋषभ पंत, अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा के अलावा नीतीश राणा ,नवदीप सैनी और प्रिंस यादव जैसे अनुभवी खिलाड़ी आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। यह रोमांचक टूर्नामेंट 31 जुलाई से शुरू होकर 30 अगस्त तक चलेगा। इसमें राजधानी की सबसे अच्छी क्रिकेट प्रतिभाएं खेलती दिखेंगी। इस लीग ने बहुत कम समय में ही अपनी पहचान बनायी है। इससे अनुभवी खिलाड़ियों के लिए अपने फार्म को हासिल करने और युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों के लिए अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर प्रदर्शित करने का भी एक अच्छा अवसर रहता है। इसके पिछले सत्र में वेस्ट दिल्ली लायंस ने राणा की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार डीपीएल खिताब जीता था। इस जीत ने न केवल टीम का मनोबल बढ़ा बल्कि लीग में प्रतिस्पर्धा का स्तर भी बढ़ा है। इस बार भी यह देखना होगा कि क्या दिल्ली लायंस टीम अपने खिताब का बचाव कर पाते हैं या नहीं।पुरुष प्रतियोगिता के अलाव इस लीग के महिला टर्नामेंट में भी रोमांच की कोई कमी नहीं रहने वाली है। देश की कई प्रमुख महिला क्रिकेटर इस मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी, जिनमें स्टार खिलाड़ी श्वेता सहरावत, अनुभवी प्रिया पुनिया, सोनी यादव और आयुषी सोनी जैसे नाम प्रमुख हैं।

ईशान किशन ने वैभव को सोशल मीडिया से दूर रहने की सलाह दी

हरारे

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कहा है कि उन्होंने उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को सोशल मीडिया से दूर रहते हुए केवल खेल पर ही ध्यान देने को कहा है। ईशान ने बताया कि ड्रेसिंग रूम में वह और उनके साथी 15 साल के वैभव से कहते हैं कि उसे हमारी की हुई गलतियों से बचना होगा। साथ ही उसे बाहरी शोर और सोशल मीडिया से दूर रहकर सिर्फ अपने खेल पर ध्यान देना चाहिये। साथ ही कहा कि यह सलाह केवल खेल के मैदान तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वैभव के पूरे करियर को सही दिशा देने के लिए एक अहम सुझाव है।

ईशान ने कहा कि वैभव अपनी कम उम्र के बावजूद काफी समझदार और परिपक्व हैं। उसे ये समझना होगा कि जब आप भारत के लिए खेलते हैं, तो आपको किन चीजों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और किन बाहरी प्रभावों से बचना चाहिए। ईशान के अनुसार, वैभव काफी समझदार है। वह जानता है कि उसे मैदान पर और मैदान के बाहर अपने को कैसे संभालना है। भारत के लिए खेलते समय यह समझना जरूरी है कि किस चीज पर ध्यान देना है। उन्होंने साथ ही कहा कि मैं, अभिषेक शर्मा, अक्षर पटेल और बाकी खिलाड़ी उसे हमेशा यही कहते हैं कि सोशल मीडिया या बाहरी शोर पर नहीं, सिर्फ क्रिकेट पर ध्यान दो। यह एक सामूहिक प्रयास है जिसका उद्देश्य वैभव को अनावश्यक दबावों और भटकावों से बचाना है।

ईशान के अनुसार वह नहीं चाहते कि वैभव अपने करियर की शुरुआत में वही गलतियां दोहराएं, जो उन्होंने कभी खुद की थीं। उनका मानना है कि यदि युवा बल्लेबाज शुरू से ही बाहरी प्रभावों और अनावश्यक दबाव से दूर रहेगा, तो वह लंबे समय तक भारतीय टीम का एक महत्वपूर्ण और अटूट हिस्सा बना रह सकता है। यह सलाह वैभव के लिए अनमोल है, क्योंकि ईशान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं और बाहरी अपेक्षाओं के दबाव को महसूस किया है। ईशान का मानना है कि सही मार्गदर्शन से वैभव अपने खेल पर पूरी तरह से ध्यान दे पायेंगे। जिससे वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन कर पायेंगे।

वैभव ने हाल ही में अपने प्रदर्शन से अपनी क्षमत का सबूत भी दिया है। इंग्लैंड दौरे पर निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में शानदार अर्धशतक लगाकर वापसी की। सीनियर्स द्वारा दिया जा रहा यह मार्गदर्शन उभरते हुए क्रिकेटर के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दिखाता है कि टीम में एक स्वस्थ माहौल है जहां युवा खिलाड़ियों को केवल दबाव में धकेलने की बजाय उन्हें समझने और संभालने में मदद की जाती है। ईशान किशन जैसे खिलाड़ी का अपना अनुभव साझा करना वैभव के लिए एक बड़ी सीख साबित हो सकता है।

यूपीटी20 ने उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए खोले बड़े अवसर : राजीव शुक्ला

लखनऊ

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने यूपीटी20 लीग और यूपीसीए स्पीड हंट पहल की जमकर सराहना करते हुए कहा कि इस टूर्नामेंट ने उत्तर प्रदेश के युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का बड़ा मंच दिया है। उन्होंने कहा कि स्पीड हंट के जरिए राज्यभर से तेज गेंदबाजों की पहचान की गई है, जिनमें इस बार 134 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से लगातार गेंदबाजी करने वाले 38 तेज गेंदबाज यूपीटी20 लीग की नीलामी तक पहुंचे।

यूपीटी20 लीग का चौथा सत्र 14 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें उद्घाटन मुकाबला काशी रुद्रास और मेरठ मावेरिक्स के बीच खेला जाएगा।

राजीव शुक्ला ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि यूपीटी20 लीग के पिछले तीन सत्रों का प्रभाव अब साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश के 18 खिलाड़ियों ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हिस्सा लिया और इनमें से कई खिलाड़ियों को यूपीटी20 लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद पहचान मिली। उन्होंने कहा कि आईपीएल फ्रेंचाइजी के स्काउट्स इस लीग पर लगातार नजर रखते हैं, जिससे यह युवा खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का महत्वपूर्ण मंच बन गया है। उन्होंने यूपीसीए स्पीड हंट की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस पहल ने प्रदेश के कोने-कोने से प्रतिभाशाली तेज गेंदबाजों को सामने लाने का काम किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक फ्रेंचाइजी को अपने अनकैप्ड खिलाड़ियों में कम से कम एक खिलाड़ी स्पीड हंट से शामिल करना चाहिए। भविष्य में लीग के विस्तार पर राजीव शुक्ला ने कहा कि फिलहाल छह टीमों वाली लीग सफलतापूर्वक स्थिर हो चुकी है। यदि भविष्य में संचालन परिषद (गवर्निंग काउंसिल) टीमों की संख्या बढ़ाने की सिफारिश करती है, तो एपेक्स काउंसिल इस पर गंभीरता से विचार करेगी। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता पहले एक मजबूत और टिकाऊ लीग तैयार करने की रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश के अधिक से अधिक शहरों तक क्रिकेट पहुंचाना यूपीसीए का लक्ष्य है। इसी सोच के तहत इस बार खिलाड़ियों की नीलामी आगरा में आयोजित की गई। उनका मानना है कि इससे शहर के क्रिकेट ढांचे को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे प्रदेश में बेहतर क्रिकेट अधोसंरचना विकसित होगी, लीग के विस्तार की संभावनाओं पर भी काम किया जाएगा। यूपीटी20 लीग के चौथे संस्करण का उद्घाटन समारोह और शुरुआती चरण के मुकाबले भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेले जाएंगे। इसके बाद टूर्नामेंट ग्रीन पार्क स्टेडियम, कानपुर स्थानांतरित होगा, जहां शेष लीग मुकाबलों के साथ-साथ प्लेआफ और फाइनल का आयोजन होगा।